

# नवभारत

संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी

पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने अमेरिका में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान भारत को खुलेआम परमाणु हमले की धमकी देकर न केवल अपनी गैर-जिम्मेदाराना मानसिकता उजागर की, बल्कि यह भी साबित कर दिया कि इस्लामाबाद का सैन्य नेतृत्व आज भी 20 वीं सदी की सोच में जी रहा है। यह बयान किसी आत्मविश्वास का नहीं, बल्कि भारत की बढ़ती आर्थिक, सैन्य और कूटनीतिक शक्ति के प्रति हताशा का प्रतीक है।

भारत ने इस धमकी को 'गौड़भभकी' कहकर खारिज किया। भारत के सेना अध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी का स्पष्ट संदेश कि 'भारत पाकिस्तान की एंटीमिस्त्रिक ब्लैकमेलिंग में नहीं फँसने वाला' न केवल दुष्ट संकल्प को दर्शाता है, बल्कि यह भी रेखांकित करता है कि भारतीय सेना किसी भी परिस्थिति में जवाब देने में सक्षम है। वास्तविकता यह है कि पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था दिवालिया होने

## भारत का सटीक जवाब

की कगार पर है, आंतरिक आतंकवाद से त्रस्त है और उसकी जनता महंगाई और राजनीतिक अस्थिरता के बोझ तले कराह रही है। ऐसे में असीम मुनीर का परमाणु इधियार लहराना महज ध्यान भटकाने और घरेलू मोर्चे पर अपनी असफलताओं को छिपाने का हथकंडा है। यह वही पाकिस्तान है, जो आतंकवाद को विदेश नीति का औजार बनाकर दुनिया भर में बदनाम हो चुका है। भारत की रक्षा तैयारी आज अभूतपूर्व है। आधुनिक राफेल लड़ाकू विमान, एस-400 पराशूट सिस्टम, पनडुब्बी-आधारित परमाणु प्रतिरोधक क्षमता, ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल और स्वदेशी रक्षा उत्पादन में तेजी-ये सब मिलकर किसी भी दुश्मन को यह संदेश देते हैं कि भारत पर किसी भी तरह का हमला आत्मघाती साबित

होगा। भारतीय सेना की 'कोल्ड स्टार्ट' जैसी त्रस्त है और उसकी जनता महंगाई और राजनीतिक अस्थिरता के बोझ तले कराह रही है। ऐसे में असीम मुनीर का परमाणु इधियार लहराना महज ध्यान भटकाने और घरेलू मोर्चे पर अपनी असफलताओं को छिपाने का हथकंडा है। यह वही पाकिस्तान है, जो आतंकवाद को विदेश नीति का औजार बनाकर दुनिया भर में बदनाम हो चुका है। भारत की रक्षा तैयारी आज अभूतपूर्व है। आधुनिक राफेल लड़ाकू विमान, एस-400 पराशूट सिस्टम, पनडुब्बी-आधारित परमाणु प्रतिरोधक क्षमता, ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल और स्वदेशी रक्षा उत्पादन में तेजी-ये सब मिलकर किसी भी दुश्मन को यह संदेश देते हैं कि भारत पर किसी भी तरह का हमला आत्मघाती साबित

उसकी हिम्मत और बढ़ी। इस मामले में वाशिंगटन को भी आत्ममंथन करना होगा कि वह आतंक और परमाणु ब्लैकमेल की राजनीति को मंच क्यों दे रहा है?

भारत का रुख स्पष्ट है कि हम शांति के पक्षधर हैं, लेकिन कमजोरी दिखाना हमारे स्वभाव में नहीं। पाकिस्तान की परमाणु धमकी उसकी कूटनीतिक और सामरिक असफलताओं का प्रमाण है, और भारत की रणनीतिक क्षमता यह सुनिश्चित करती है कि ऐसी किसी भी गौड़भभकी का जवाब न केवल मिलेगा, बल्कि ऐसा जवाब मिलेगा जो इतिहास में दर्ज होगा। अब समय आ गया है कि दुनिया, खासकर अमेरिका, पाकिस्तान जैसे गैर-जिम्मेदार परमाणु राष्ट्रों को खुला मंच देना बंद करे और भारत, अपनी मजबूत रक्षा क्षमता के साथ, इस संदेश को दुनिया तक पहुंचाता रहे कि हम किसी पर पहले हमला नहीं करेंगे, लेकिन जो हमें ललकारेगा, उसका अंजाम तय है।

## वोट चोरी के आरोपों की

# चुनाव आयोग गंभीरता से जांच करे

मतदाता सूची में गड़बड़ी के प्रमाण निरंतर प्रकाश में आ रहे हैं— कहीं एक घर में 250 मतदाता पंजीकृत हैं तो कहीं 10x15 फीट के कमरे में 80 मतदाता रह रहे हैं और वह भी अलग-अलग जातियों व क्षेत्रों के, कहीं बड़ी संख्या में मकानों का नंबर शून्य लिखा है, तो कहीं पिता का नाम एफजीएचआई लिखा है या एक ही व्यक्ति को दो फोटो पहचान कार्ड जारी किए हुए हैं, कहीं फॉर्म 6 पर 70 वर्षीय महिला को मतदाता बनाया हुआ है, जबकि इसका संबंध पहली बार के नए मतदाता से है, तो कहीं फोटो ऐसा लगाया हुआ है कि माइक्रोस्कोप से भी दिखायी न दे। इस किस्म की अनेक दुष्टियां हैं, जिनको त्वरित सुधारने की जरूरत है ताकि मतदाताओं का चुनाव प्रक्रिया में विश्वास बना रहे। लेकिन चुनाव आयोग क्या कर रहा है? वह कहीं वोट बढ़ा देता है, कहीं वोट घटा देता है और सुप्रीम कोर्ट में दायर अपने जवाब में कहता है कि बिहार में मतदाता सूची से बाहर किए गए 65 लाख लोगों की न तो सूची शेरार करेगा और न ही यह बताने के लिए बाध्य है कि उनका नाम किस वजह से सूची से हटाया गया है। यह जानकारी अगर चुनाव आयोग नहीं देगा, तो फिर कौन देगा?

चुनाव आयोग ने अपनी साइट पर जो बिहार की डिजिटल मतदाता सूची अपलोड की थी उसे हटाकर ऐसे फॉर्मेट में सूची अपलोड की है, जिसे पढ़ना व डाउनलोड करना लगभग असंभव है। इससे चुनाव आयोग के इरादों पर शक गहरा ही होता है। विशेषकर इसलिए कि %वोट चोरी% का आरोप लगाते हुए जब विपक्ष के 300 सांसदों ने 11 अगस्त को मुख्य चुनाव आयुक्त जगेश कुमार से मिलने के लिए समय मांगा, तो उन्होंने जगह की तंगी का हवाला देते हुए केवल 30 सांसदों से ही मुलाकात करने को कहा। लेकिन यह भी न हो सका, क्योंकि यह सांसद जब संसद भवन से निर्वाचन सदन की तरफ मार्च करते हुए जा रहे थे, तो पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया और दो घंटे बाद छोड़ा। क्या मजाक है, देश की राजधानी में इतनी जगह भी नहीं है जगेश कुमार 300 सांसदों से एक साथ मुलाकात कर सकें?

## राहुल गांधी ने इल्जाम लगाया



सेंट्रल लोकसभा सीट के महादेवपुरा सेगमेंट की मतदाता सूची राहुल गांधी को देने के लिए तैयार हुआ और वह भी लाखों कागजों पर आधारित, जबकि वह डिजिटल दी जा सकती थी। इन कागजों की जांच करने में राहुल गांधी की टीम को लगभग छह माह का समय लगा। अगर यह डिजिटल फॉर्मेट में दी जाती तो यह काम एक दिन में ही हो जाता। यह भी सोचने का विषय है कि चुनाव आयोग ने डिजिटल फॉर्मेट में सूची देने की बजाय टनभर कागज में क्यों दिए? क्या वह चाहता था कि कोई जांच कर ही न पाए? अपने अध्ययन का हवाला देते हुए राहुल गांधी ने दावा किया कि बीजेपी ने बेंगलुरु सेंट्रल की सीट 32,707 वोटों से जीती, जबकि उसके पक्ष में 1,00,250 जाली वोट पड़े थे।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने दो मुख्य आरोप लगाए हैं। एक, उन्होंने पिछले साल के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव पर मैच फिक्सिंग के आरोप लगाए, दो, उन्होंने 2024 कर्नाटक लोकसभा चुनाव में %वोट चोरी% का आरोप लगाया। कर्नाटक से संबंधित आरोप लगाने से पहले राहुल गांधी ने गहरी पड़ताल की और साक्ष्यों के आधार पर आरोप लगाए। भारत के चुनावी इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ जब दोस साक्ष्यों के साथ आरोप लगाए गए, काफी जद्दोजहद के बाद चुनाव आयोग बेंगलुरु सेंट्रल लोकसभा सीट के महादेवपुरा सेगमेंट की मतदाता सूची राहुल गांधी को देने के लिए तैयार हुआ और वह भी लाखों कागजों पर आधारित, जबकि वह डिजिटल दी जा सकती थी। इन कागजों की जांच करने में राहुल गांधी की टीम को लगभग छह माह का समय लगा। अगर यह डिजिटल फॉर्मेट में दी जाती तो यह काम एक दिन में ही हो जाता। यह भी सोचने का विषय है कि चुनाव आयोग ने डिजिटल फॉर्मेट में सूची देने की बजाय टनभर कागज में क्यों दिए? क्या वह चाहता था कि कोई जांच कर ही न पाए? अपने अध्ययन का हवाला देते हुए राहुल गांधी ने दावा किया कि बीजेपी ने बेंगलुरु सेंट्रल की सीट 32,707 वोटों से जीती, जबकि उसके पक्ष में 1,00,250 जाली वोट पड़े थे।

## संदेह मुक्त होनी चाहिए मतदाता सूची

लोकतंत्र में फ्री एंड फेयर इलेक्शन तभी हो सकते हैं, जब मतदाता सूची पर कोई संदेह न हो और 18 वर्ष से ऊपर के किसी भी भारतीय नागरिक का नाम उसमें से गायब न हो। लेकिन इन आरोपों की जांच करने या मतदाता सूची की कमियों को दूर करने की बजाय चुनाव आयोग राहुल गांधी से लिखित में हस्ताक्षर युक्त शपथ पत्र मांग रहा है और वह भी अपने द्वारा बनाए गए फॉर्मेट में जो कि मतदाता सूची किसी का नाम जोड़ने या हटाने के लिए दिया जाता क्या राहुल गांधी मतदाता सूची में किसी का नाम शामिल करने या निकालने की मांग कर रहे हैं? नहीं। वह तो यह कह रहे हैं कि जिस मतदाता सूची के में हैं, आधार पर 2024 का लोकसभा चुनाव कराया गया और जिसे चुनाव आयोग ने स्वयं उन्हें दिया उसमें धांधली हुई है, जिसकी जांच होनी चाहिए?

लोकतंत्र में फ्री एंड फेयर इलेक्शन तभी हो सकते हैं, जब मतदाता सूची पर कोई संदेह न हो और 18 वर्ष से ऊपर के किसी भी भारतीय नागरिक का नाम उसमें से गायब न हो। लेकिन इन आरोपों की जांच करने या मतदाता सूची की कमियों को दूर करने की बजाय चुनाव आयोग राहुल गांधी से लिखित में हस्ताक्षर युक्त शपथ पत्र मांग रहा है और वह भी अपने द्वारा बनाए गए फॉर्मेट में जो कि मतदाता सूची किसी का नाम जोड़ने या हटाने के लिए दिया जाता क्या राहुल गांधी मतदाता सूची में किसी का नाम शामिल करने या निकालने की मांग कर रहे हैं? नहीं। वह तो यह कह रहे हैं कि जिस मतदाता सूची के में हैं, आधार पर 2024 का लोकसभा चुनाव कराया गया और जिसे चुनाव आयोग ने स्वयं उन्हें दिया उसमें धांधली हुई है, जिसकी जांच होनी चाहिए?

लोकतंत्र में फ्री एंड फेयर इलेक्शन तभी हो सकते हैं, जब मतदाता सूची पर कोई संदेह न हो और 18 वर्ष से ऊपर के किसी भी भारतीय नागरिक का नाम उसमें से गायब न हो। लेकिन इन आरोपों की जांच करने या मतदाता सूची की कमियों को दूर करने की बजाय चुनाव आयोग राहुल गांधी से लिखित में हस्ताक्षर युक्त शपथ पत्र मांग रहा है और वह भी अपने द्वारा बनाए गए फॉर्मेट में जो कि मतदाता सूची किसी का नाम जोड़ने या हटाने के लिए दिया जाता क्या राहुल गांधी मतदाता सूची में किसी का नाम शामिल करने या निकालने की मांग कर रहे हैं? नहीं। वह तो यह कह रहे हैं कि जिस मतदाता सूची के में हैं, आधार पर 2024 का लोकसभा चुनाव कराया गया और जिसे चुनाव आयोग ने स्वयं उन्हें दिया उसमें धांधली हुई है, जिसकी जांच होनी चाहिए?

## सीबीएसई लागू करेगा ओपन बुक परीक्षा

हमारी शिक्षा व परीक्षा प्रणाली में विषय को ठीक से समझने की बजाय रटने पर जोर दिया जाता है। परीक्षा में विद्यार्थी की स्मरणशक्ति जांची जाती है लेकिन यह नहीं देखा जाता कि उसने वर्ष भर जो अध्ययन किया है, वह उसे कितना समझ में आया, छात्र की मौलिक सोच और स्वतंत्र विश्लेषण की क्षमता को विकसित करना शिक्षा का मुख्य उद्देश्य रहना चाहिए। रटना बुरी बात नहीं है लेकिन इससे उसका शैक्षणिक आकलन नहीं हो पाता, इसलिए परंपरागत परीक्षा प्रणाली में बदलाव के सुझाव दिए जाते रहे हैं। अब सीबीएसई ने ओपन बुक परीक्षा पद्धति लागू करने का निर्णय लिया है। 2026-27 से 9वीं की परीक्षा में इसे लागू किया जाएगा, छात्रों के लिए यह आसान नहीं है क्योंकि जिसने किताब अच्छी तरह ध्यान से पढ़ी होगी वही प्रश्न को समझकर उसका उत्तर पाठ्यपुस्तक से खोज पाएगा और फिर उसे अपने शब्दों में लिख पाएगा। इसके लिए छात्रों को विश्लेषणात्मक लेखन की आदत डालनी होगी, जिसने किताब को हाथ ही नहीं लगाया या शुरू से आखिर तक नहीं पढ़ा, उसे

कैसे पता चलेगा कि प्रश्न का उत्तर कहाँ और किस पन्ने पर मिलेगा, खुली पुस्तक उसके उत्तर लिखने में सहायक होगी। आखिर पीपलरडी करने वाले या शोधपत्र लिखने वाले भी तो अनेक पुस्तकों का अध्ययन कर विश्लेषण के साथ उनके संदर्भइस्तेमाल करते हैं। इसलिए यह सोचना गलत है कि ओपन बुक परीक्षा प्रणाली आने पर बच्चे पढ़ाई नहीं करेंगे। उन्हें देखा होगा कि निर्धारित समय के भीतर किस पुस्तक की मदद लेकर वह प्रश्नपत्र हल कर सकते हैं। विदेशी स्कूलों में भी इस तरह की परीक्षा प्रणाली है। सीबीएसई ने पहले भी प्रयोग किए हैं जैसे कि कुछ वर्ष पहले 10वीं की बोर्ड परीक्षा ऐच्छिक रखी थी। विद्यार्थी बोर्ड की बजाय स्कूल की परीक्षा दे सकते थे। स्कूल से 10वीं की परीक्षा देने वाले छात्रों ने बाद में 12वीं में अच्छे अंक हासिल किए, बाद में यह प्रयोग रोक दिया गया। सीबीएसई को पुरानी विफलताओं और वर्तमान स्थितियों को ध्यान में रखते हुए प्रयोग करना होगा। यह भ्रम दूर करना होगा कि ओपन बुक प्रणाली का मतलब नकल को खुला बढ़ावा देना है।

कैसे पता चलेगा कि प्रश्न का उत्तर कहाँ और किस पन्ने पर मिलेगा, खुली पुस्तक उसके उत्तर लिखने में सहायक होगी। आखिर पीपलरडी करने वाले या शोधपत्र लिखने वाले भी तो अनेक पुस्तकों का अध्ययन कर विश्लेषण के साथ उनके संदर्भइस्तेमाल करते हैं। इसलिए यह सोचना गलत है कि ओपन बुक परीक्षा प्रणाली आने पर बच्चे पढ़ाई नहीं करेंगे। उन्हें देखा होगा कि निर्धारित समय के भीतर किस पुस्तक की मदद लेकर वह प्रश्नपत्र हल कर सकते हैं। विदेशी स्कूलों में भी इस तरह की परीक्षा प्रणाली है। सीबीएसई ने पहले भी प्रयोग किए हैं जैसे कि कुछ वर्ष पहले 10वीं की बोर्ड परीक्षा ऐच्छिक रखी थी। विद्यार्थी बोर्ड की बजाय स्कूल की परीक्षा दे सकते थे। स्कूल से 10वीं की परीक्षा देने वाले छात्रों ने बाद में 12वीं में अच्छे अंक हासिल किए, बाद में यह प्रयोग रोक दिया गया। सीबीएसई को पुरानी विफलताओं और वर्तमान स्थितियों को ध्यान में रखते हुए प्रयोग करना होगा। यह भ्रम दूर करना होगा कि ओपन बुक प्रणाली का मतलब नकल को खुला बढ़ावा देना है।

कैसे पता चलेगा कि प्रश्न का उत्तर कहाँ और किस पन्ने पर मिलेगा, खुली पुस्तक उसके उत्तर लिखने में सहायक होगी। आखिर पीपलरडी करने वाले या शोधपत्र लिखने वाले भी तो अनेक पुस्तकों का अध्ययन कर विश्लेषण के साथ उनके संदर्भइस्तेमाल करते हैं। इसलिए यह सोचना गलत है कि ओपन बुक परीक्षा प्रणाली आने पर बच्चे पढ़ाई नहीं करेंगे। उन्हें देखा होगा कि निर्धारित समय के भीतर किस पुस्तक की मदद लेकर वह प्रश्नपत्र हल कर सकते हैं। विदेशी स्कूलों में भी इस तरह की परीक्षा प्रणाली है। सीबीएसई ने पहले भी प्रयोग किए हैं जैसे कि कुछ वर्ष पहले 10वीं की बोर्ड परीक्षा ऐच्छिक रखी थी। विद्यार्थी बोर्ड की बजाय स्कूल की परीक्षा दे सकते थे। स्कूल से 10वीं की परीक्षा देने वाले छात्रों ने बाद में 12वीं में अच्छे अंक हासिल किए, बाद में यह प्रयोग रोक दिया गया। सीबीएसई को पुरानी विफलताओं और वर्तमान स्थितियों को ध्यान में रखते हुए प्रयोग करना होगा। यह भ्रम दूर करना होगा कि ओपन बुक प्रणाली का मतलब नकल को खुला बढ़ावा देना है।

## संपादकीय बोर्ड

प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्दी

## शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 11993					
1	2	3	4	5	6
7		8	9		
		11	12		
13		14		15	
		16		17	
		18		19	
20		21			
22					

2. नैतिक आचरण 3. गड्डू, विदारण द्वार, भाव, 5. बेशर्म, निर्लज्ज (उर्दू) 6. कण, दाना, सूजी 9. संयोजक, अंगों को अलग-अलग करना, बिगाड़ना, नष्ट करना 11. कृष्ण पक्ष की अंतिम तिथि 14. पचने की क्रिया, पाचन, बेईमानी या अनुचित रीति से अधिकार में किया हुआ (उर्दू) 15. गुलाब का अर्क 18. मोटा छिलका अथवा आवरण, लोहे की कड़ियों का वह आवरण जो युद्ध के समय वीरों द्वारा पहना जाता था 19. लेखनी 20. हॉट (उर्दू)

**बाएं से दाएं**  
1. शुभवचन, आशिष (सं.) 4. देर, अतिकाल 7. निषध देश का राजा जिसका विवाह दमयंती से हुआ था 8. सूर्य (सं.) 10. वायु, पवन 12. अपेक्षाकृत खराब या कम मोलात, तुच्छ 13. कोमलता, नरमी, नम्रता 16. भार, बोझ, तील 17. नेजा, बरखा 18. सौम्य, शपथ 20. रामचंद्रजी के दो पुत्रों में से एक 21. साले की पत्नी 22. बाल्यावस्था, लड़कपन

**ऊपर से नीचे**  
1. उसक, सज-धज, तड़क-भड़क

**Solution 11992**

श	क	टा	र	सं	सा	र
प	ल	थ	वा	त	ज	
थ	मो	का	द		त	
र	र	वा	दा	र		
उ	ज	ला	ता	सि		
प	नी	र	ओ	मा	ह	
दे	श	श	ह	र	दा	र
श	व	र	दा	न	ना	

## ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

**आज जिनका जन्मदिन है**  
वर्ष के प्रारंभ में सामाजिक कार्यों में संलग्नता रहेगी, व्यापार व्यवसाय में वृद्धि होगी, राजनैतिक लाभ होगा, वर्ष के मध्य में व्यवसाय की स्थिति में सुधार होगा, आय के अन्य स्रोतों में वृद्धि होगी, पूर्व परिचित से भेंट होगी, वर्ष के अंत में अनावश्यक विवाद से मन खिन्न रह सकता है, स्थान परिवर्तन का योग है।  
मेघ और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों

**आज जन्मे शिशु का भविष्य**  
आज जन्म लिया बालक स्वस्थ, सुन्दर, दुबला पतला किन्तु लम्बे कद का होगा, इनकी शिक्षा अच्छी होती है, लेखन अध्ययन कार्य में सफलता मिलेगी, आय के एक से अधिक साधन रहेगें, नौकरी में सफलता प्राप्त होगी, दायित्वों की पूर्ति होगी,

**मेघ** - जीवनसाथी की मदद से मुश्किल राह आसान होगी, बुजुर्गों का ध्यान रखें, सुख, ऐश्वर्य आदि की प्राप्ति हो सकती है, प्रवास का योग है।  
**वृषभ** - सामाजिक जीवन में बड़ी जिम्मेदारी मिलेगी, प्रियजन की मुलाकात सुखद रहेगी, शिक्षा के पक्ष में उत्ति होगी, जमिंधन जायजद का सुख मिलेगी।  
**मिथुन** - आफिस की परेशानी से कार्य प्रभावित होगा, आवेश में फैसला गलत होगा, विरोधी पक्ष के कारण थोड़ी परेशानी हो सकती है।  
**कर्क** - मित्रों के साथ समय मौजमस्ती में बीतेगा, माता पिता से सहयोग मिलेगा, पारिवारिक जीवन सुखद एवं अनन्ददायक रहेगा, लाभ का योग है।

**सिंह** - भावनात्मक संबंधों में मधुरता बढ़ेगी, प्रियजन की मदद से कार्य पूरे होंगे, लैंगिक कार्यों को पूरा करना ही हितकर रहेगा, अनावश्यक व्ययभार न बढ़ावें।  
**कन्या** - मधुरवाणी से सबका दिल जीत लेंगे, प्रापटी का विवाद हल होगा, धार्मिक कार्यों में यश, सम्मान मिलेगा, मित्रता उपयोगी रहेगी।  
**तुला** - तरकीब का अवसर है, जिसे आप चाहते हैं उससे मन की बात कह देंगे, नौकरी में सफलता प्राप्त होगी, शुभ समाचार मिलने का योग है।  
**वृश्चिक** - अनुभवी लोगों का साथ सुखद रहेगा, कार्यों को इच्छित सफलता प्राप्त होगी, सामाजिक सम्मान प्राप्त होगा, राजकीय सहयोग से मजबूत बाधा दूर होगी।

**धनु** - धैर्य कार्य पूरा करने में व्यस्त रहेंगे, कार्य स्थल पर माहौल अनुकूल रहेगा, भौतिक सुख साधनों की प्राप्ति होगी, सामाजिक कार्यों में रुचि रहेगी।  
**मकर** - बातचीत में सावधानी रखें, धैर्य से काम लें, अनावश्यक खर्च से चिन्ता होगी, किसी उत्सव आदि में शामिल होने का योग है, मनोरंजन के कार्यों में सफलता मिलेगी।  
**कुम्भ** - जीवनसाथी की भावनाओं पर ध्यान दें, पारिवारिक समस्याओं का सरलता से समाधान होगा, नियमितता का ध्यान रखकर कार्य करें।  
**मीन** - योजना लागू करने का सही समय है, नये संपर्कों से लाभ होगा, आकस्मिक धन लाभ का योग है, पारिवारिक कार्यों में सफलता मिलेगी।